Class- B.A- I (subsidiary)
Name of the Guest Teacher- Khushbu kumari, dept. of Political science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani, Lnmu

Lecture- 1 Topic- राजनीतिक दल (Political Party)

परिभाषा -

राजनीतिक दल से हमारा अभिप्राय ऐसे व्यक्तियों के समूह से है जो कुछ समस्याओं के रूप और उसके समाधान के संबंध में एकमत हैं और जिन्होंने सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति के लिए मिलकर वैध ढंग से काम करने का निश्चय कर लिया है और इस उद्देश्य को दृष्टि में रखकर उनके द्वारा संगठनों का निर्माण किया जाता है। विभिन्न राजनीतिक विचारकों ने राजनीतिक दल की अलग-अलग परिभाषाएँ दी हैं-

एडमण्ड बर्क के अनुसार, "राजनीतिक दल ऐसे लोगों का एक समूह होता है जो किसी ऐसे सिद्धांत के आधार पर जिस पर वे एकमत हों, अपने सामूहिक प्रयत्नों द्वारा जनता के हित में काम करने के लिए एकता में बंधे होते हैं।"

गेटल के अनुसार, "राजनीतिक दल न्यूनाधिक संगठित उन नागरिकों का समूह होता है जो राजनीतिक इकाई के रूप में कार्य करते हैं और जिनका उद्देश्य अपने मतदान बल के प्रयोग द्वारा सरकार पर नियंत्रण करना व अपनी सामान्य नीतियों को क्रियान्वित करना होता है।"

राजनीतिक दल के आवश्यक तत्व -

(i) संगठन- राजनीतिक दल का प्रथम आवश्यक तत्व यह है कि वे संगठित होने चाहिए। संगठन का मतलब यह है कि दल के अपने कुछ लिखित

Scanned with CamScanner

एवं अलिखित नियम, उपनियम, कार्यालय, पदाधिकारी आदि होने चाहिए। ये दल के सदस्यों को अनुशासित रखते हैं। दल को मजबूत एवं स्थायी बनाने के लिए उसमें संगठन का होना अत्यन्त आवश्यक है।

(2) सामान्य सिद्धांतों की एकता - राजनीतिक दल का संगठित रूप से कार्य करना उसी समय संभव है जब राजनीतिक दल के सदस्य किन्हीं सामान्य सिद्धांतों के संबंध में एक ही प्रकार का विचार रखते हों। मूल प्रश्नों पर इस प्रकार की एकमतता के अभाव में वे परस्पर सहयोग नहीं कर सकते। और एकता के अभाव में राजनीतिक दल का विघटन हो जाएगा।

(3) संवैधानिक शासनों में विश्वास - राजनीतिक दल के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सदा संवैधानिक उपायों का सहारा ले। जो असंवैधानिक उपायों का प्रयोग करते हैं अथवा हिंसात्मक साधनों को अपनाते हैं, उन्हें राजनीतिक दल नहीं कहा जा सकता।

(4) राष्ट्रीय हित - राजनीतिक दल के लिए यह आवश्यक है कि उनके द्वारा किसी विशेष जाति, धर्म या वर्ग के हित को ध्यान में रखकर नहीं वरन् सम्पूर्ण राज्य के हित को दृष्टि में रखकर कार्य किया जाना चाहिए।

राजनीतिक दलों के आधार -

(1) मनोवैज्ञानिक - मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण के आधार पर राजनीतिक दलों को मानव स्वभाव में निहित मूल प्रवृत्तियों पर आधारित कहा जाता है। कुछ लोग

Scanned with CamScanner

स्वभाव से ही रूढ़िवादी होते हैं और किसी प्रकार का परिवर्तन पसन्द नहीं करते, कुछ लोग धीरे-धीरे परिवर्तन चाहते हैं और कुछ लोग तुरन्त परिवर्तन के पक्ष में रहते हैं। इनको क्रमशः अनुदारवादी, उदारवादी तथा उग्रवादी कहते हैं। इस स्वभाव भेद के आधार पर मनुष्य में विचार भेद पाया जाता है और इस प्रकार के विचार भेद राजनीतिक दलों को जन्म देते हैं।

(2) वातावरण का प्रभाव - दलों के निर्माण में वातावरण की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिस वातावरण में व्यक्ति रहता है उसका प्रभाव व्यापक रूप से उसके मानस पर पड़ता है और उसी के अनुरूप वह राजनीतिक दलों से अपने संबंध स्थापित करता है।

(3) आर्थिक हित और विचार - राजनीतिक दल आर्थिक विचार भेद के भी परिणाम होते हैं। राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय महत्व तभी प्राप्त हो सकता है जब उनके पास आर्थिक सुकार्यक्रम हो। सर्वसाधारण में सम्पत्ति विषयक भेद-भाव, उनकी आर्थिक समस्याएँ मुख्य रूप से राजनीतिक दलों के निर्माण में सहायक होती हैं।

(4) धार्मिक और साम्प्रदायिक भावनाएँ - बहुत से लोग धार्मिक और साम्प्रदायिक भावनाओं के आधार पर राजनीतिक दल बना लेते हैं। उनका लक्ष्य अपने ही धर्म एवं सम्प्रदाय के लोगों की रक्षा करना होता है। जैसे - मुस्लिम लीग, अकाली दल, हिन्दू महासभा आदि। सम्पूर्ण राज्य के हितों से

Scanned with CamScanner

संबंधित नहीं होने के कारण इनको विशुद्ध राजनीतिक दल नहीं कहा जा सकता है

राजनीतिक दलों का महत्व –

(i) लोकतंत्र को सफलता पूर्वक चलाने के लिए राजनीतिक दल अपरिहार्य है। लोकतंत्र, चाहे उसका कोई भी स्वरूप क्यों न हो, राजनीतिक दलों की अनुपस्थिति में अकल्पनीय है, इसलिए उन्हें 'लोकतंत्र का प्राण' कहा गया है

(ii) मैकाइवर के अनुसार, "बिना दलीय संगठन के किसी सिद्धांत का एक होकर प्रकाशन नहीं हो सकता, किसी भी नीति का क्रमबद्ध विकास नहीं हो सकता, संसदीय चुनावों की वैधानिक व्यवस्था नहीं हो सकती और न ऐसी मान्य संस्थाओं की व्यवस्था ही हो सकती है, जिनके द्वारा कोई भी दल शक्ति प्राप्त करता और स्थिर रखता है।"

(iii) राजनीतिक दल लोकमत के निर्माण तथा अभिव्यक्ति के सर्वोत्तम साधन हैं।

(iv) राजनीतिक दल नागरिकों को राजनीतिक शिक्षा प्रदान करते हैं। किसी देश के नागरिकों की वैयक्तिक स्वतंत्रता की रक्षा की दृष्टि से भी राजनीतिक दल विशेष महत्व रखते हैं।

(v) ~~दल प्रणाली के बिना लोकतंत्रात्मक शासन~~

(v) राजनीतिक दल असंख्य मतदाताओं की अव्यवस्थित भीड़ के स्थान पर व्यवस्था की सृष्टि करते हैं, जनता का नेतृत्व करने के लिए नेता प्रदान करते हैं और राजनीतिक व्यवस्था को संचालन-शक्ति प्रदान करते हैं।

Scanned with CamScanner